भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद का पूर्वी अनुसंधान परिसर, पटना

मुख्य उपलब्धियाँ

- सिंचित, वर्षा आधारित, पहाड़ी और पठारी क्षेत्रों के लिए समेकित कृषि प्रणाली मॉडल विकसित किए गए, जिससे ₹70,000–80,000 प्रति एकड़ शुद्ध लाभ प्राप्त हुआ।
- 15–20% अधिक उपज देने वाली 09 जलवायु अनुकूल धान प्रजातियाँ विकसित की गईं, जिसका विस्तार 2 लाख हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में हुआ।
- पूर्वी भारत के लिए 62 उच्च उपज देने वाली तथा तनाव सहिष्णु सब्जियों और फलों की प्रजातियाँ विकसित की गईं।
- संरक्षण कृषि आधारित धान–गेहूं–मूंग फसल चक्र द्वारा उत्पादकता में 30% की वृद्धि के साथ–साथ मृदा स्वास्थ्य में सुधार एवं ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में 7–10% की कमी पाई गई।
- "अल्प ऊर्जा जल अनुप्रयोग" पद्धति विकसित की गई, जिससे लगभग 30% ऊर्जा और 15% जल की बचत हुई।
- पर्यावरण–अनुकूल सौर ऊर्जा संचालित जल पंप प्रणाली, धान थ्रेशर, कीट ट्रैप और मछली वेंडिंग कार्ट विकसित की गईं।
- 4.5 टन प्रति हेक्टेयर की उत्पादकता एवं लगभग 2 लाख रुपये प्रति हेक्टेयर शुद्ध लाभ के साथ 06 मत्स्य–पशुधन समेकित कृषि प्रणाली मॉडल विकसित किए गए।
- क्षेत्र विशेष खनिज मिश्रण "स्वर्ण मिन" बनाया गया, जिससे दुग्ध उत्पादकता में 15% की वृद्धि हुई।
- पूर्वी क्षेत्र के लिए विकसित किसान उत्पादक संगठन आधारित प्रौद्योगिकी हस्तांतरण मॉडल द्वारा किसानों की आय में 17% की वृद्धि हुई।
- कृषि पद्धतियों में सुधार हेतु 1.3 लाख से अधिक किसानों का कौशल विकास और क्षमता संवर्धन किया गया।

समेकित कृषि प्रणाली

बहु–स्तरीय कृषि प्रणाली

कृषि में ड्रोन का प्रयोग

ICAR RESEARCH COMPLEX FOR EASTERN REGION, PATNA

Major Achievements

- Integrated farming system models for irrigated, rainfed, hill & plateau region developed with net monetary gains of ₹ 70,000-80,000 per acre.
- Developed 09 climate resilient rice varieties having yield advantage of 15-20%, covering more than 2 lakh ha.
- Released 62 high yielding & stress tolerant vegetable and fruit varieties for eastern India.
- Conservation agriculture based rice-wheat-moong system increased system productivity by 30%, improved soil health and reduced greenhouse gas emission by 7-10%.
- Innovative "Low Energy Water Application" system developed which saves about 30% energy and 15% water.
- Developed eco-friendly solar operated water pumping system, paddy thresher, insect trap and fish vending kart.
- Developed 06 fish livestock IFS models with system productivity of 4.5 t/ha and net return of about ₹ 2 lakh per ha.
- Area specific mineral mixture "Swarna Min" developed which enhanced milk productivity by 15%.
- FPO based technology delivery models developed for eastern region enhanced farmers income by 17%.
- Skill and capacity of more than 1.3 Lakh farmers developed in improved farming practices.

Integrated Farming System

Multi-tier Land Use System

Drone Application in Agriculture